शीत युद्ध की उत्पत्ति – इतिहासलेखन की बहस
Historiographical Debate on the Origins of the Cold War

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका और सोवियत संघ के बीच उत्पन्न तनाव को शीत युद्ध कहा जाता है। इसके कारणों पर इतिहासकारों में व्यापक मतभेद रहे हैं।
पारंपरिक दृष्टिकोण के अनुसार सोवियत संघ का विस्तारवादी रवैया शीत युद्ध का प्रमुख कारण था। पूर्वी यूरोप में समाजवादी सरकारों की स्थापना ने पश्चिमी देशों को चिंतित किया।
संशोधनवादी इतिहासकार, जैसे विलियम एप्पलमैन विलियम्स, अमेरिकी आर्थिक साम्राज्यवाद को उत्तरदायी मानते हैं। उनके अनुसार अमेरिका ने खुले बाजार की नीति के माध्यम से वैश्विक वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास किया।
उत्तर-संशोधनवादी दृष्टिकोण यह मानता है कि दोनों पक्ष सुरक्षा दुविधा (Security Dilemma) में फँसे थे। परस्पर अविश्वास और वैचारिक भिन्नता ने तनाव को बढ़ाया।
इस प्रकार शीत युद्ध केवल वैचारिक संघर्ष नहीं था, बल्कि शक्ति राजनीति, सुरक्षा चिंता और आर्थिक हितों का जटिल परिणाम था।